न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948

प्रस्तावना

आर्थिक या अन्य अयोग्यताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय प्राप्त करने से वंचित नहीं किया जा सकता। समाज के प्रत्येक कमजोर वर्ग को मुफ्त एवं उचित कानूनी सेवाऐं प्रदान करने के लिए विधिक सेवाऐं प्राधिकरण अधिनियम, 1987 बनाया गया है, जिसके अन्तर्गत राज्य विधिक सेवाऐं प्राधिकरण का गठन किया गया है। न्याय केवल न्यायालयों में लंबित वादों तक सीमित नहीं है। कानूनी जागरूकता व साक्षरता, विधिक सहायता के स्तम्भ है। हरियाणा राज्य विधिक सेवाऐं प्राधिकरण (हालसा) कानूनी जागरूकरता व साक्षरता के लिए प्रयासरत है। हालसा द्वारा राज्य के विभिन्न गांवों में विधिक सहायता क्लीनिक स्थापित किये गये हैं, जिनमें पराविधिक स्वयं सेवक व पैनल के वकील विधिक सहायता प्रदान करते हैं। इसके ईलावा हालसा द्वारा कानूनी जागरूकता व साक्षरता अभियान चलाया हुआ है। आम लोगों तक कानूनी ज्ञान पहुंचाने के लिए हालसा द्वारा सरल भाषा में विभिन्न विषयों पर पुस्तिकाऐं छपवाई गई हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति कानूनी ज्ञान से वंचित न रह सके व अपने कानूनी अधिकारों का प्रयोग कर सके। यह पुस्तिका उन्ही मे से एक है। अब तक हालसा 1,35,000 कानूनी ज्ञान की पुस्तिकाऐं आम लोगों में बंटवा चुका है। इसी अभियान को आगे बढाते हुये अब हालसा 27,00,000 सरल भाषा में कानूनी ज्ञान की पुस्तिकायें छपवा कर ग्रामीण व मलिन बस्तियों के लोगों को कानूनी अधिकारों बारे जागरूक करने जा रहा है। आशा है कि यह पुस्तिका आप सब के लिए उपयोगी होगी व आपके कानूनी ज्ञान के लिए मार्गदर्शिका बनेगी।

दिनांकः1.1.2012

(दीपक गुप्ता)
सदस्य सचिव

प्र.1 वह कौन–कौन से काम हैं जो इस अधिनियम पर लागू होते हैं, क्या यह अधिनियम मजदूरी की न्यूनतम 'रेट' (दर) सभी कार्यों के लिए निर्धारित करने का प्रयास करता है?

उ. जी नहीं। इस अधिनियम का उद्देश्य केवल श्रमिकों के उस गैर–विशेषाधिकार वर्ग का संरक्षण करना है – जो असंगठित, कमजोर और शोषण के पात्र बनाये जाते रहे हैं। अतः अधिनियम में ऐसी अनुसूचियां बनायी गयी हैं जो भाग 1 व 2 में कुछ नौकरियों व कार्यों की सूचियां प्रदर्शित करती हैं, और केवल यही कार्य या नियोजन अधिनियम के द्वारा नियंत्रित किये जाते हैं।

प्र.2 क्या सेवायों, कार्यों की यह सूची स्थायी है?

उ. जी नहीं, यह सूची स्थायी नहीं है– परन्तु उचित सरकार के माध्यम से इसमें आगे कुछ अन्य सेवायें भी जोड़ी जा सकती हैं। अधिनियम की धारा 27 के द्वारा इस तरह की शक्ति उचित सरकारों के हाथ में सौंपी गयी है। न्यूनतम मजदूरी देने के सम्बन्ध में यदि सरकार की इच्छा किसी सरकार की इच्छा किसी काम विशेष को अधिनियम में दी गयी सूचियों में सम्मिलित करने की होती है तो उसे अपनी इस इच्छा का प्रकाशन सरकारी घोषणा पत्र (गजट) में करना पड़ता है। इसके पश्चात् तीन महीनों में अधिनियम की सूची में संशोधन किया समझा जायेगा।

प्र.4 न्यूनतम मजदूरी का क्या अर्थ है ?

उ. न्यूनतम मजदूरी का मतलब केवल जीवन मूलभूत आवश्यकताओं का पूरा हो जाना ही नहीं है और केवल भूखमरी से ऊपर उठकर सांस लेना ही नहीं है–अपितु न्यूनतम मजदूरी ऐसी होनी चाहिए जो केवल मजदूर व उसके परिवार का निर्वहन ही न करे परन्तु एक कामगार के रूप में कार्य करने की उसकी कुशलता की भी रक्षा करे। इसमें उसकी चिकित्सकीय आवश्यकता, पर्याप्त विश्राम और जीवन का एक सम्मानजनक स्तर भी सम्मिलित किया जायेगा।

न्यूनतम मजदूरी निश्चित करने की प्रक्रिया

प्र.5 इस अधिनियम के तहत न्यूनतम वेतन कैसे निश्चित किया जाता है?

उ. केन्द्रीय व प्रादेशिक सरकारें, जैसी भी स्थिति हो यह निम्नलिखित आधारों पर निशिचित कर सकती हैं :

(1) मौलिक-मूल्य और जीवन-स्तर का मूल्यांकित भत्ता, अथवा

(2) यह मौलिक दर पर भी निश्चित कर सकती है जिसमें जीवित रहने के भत्ते को सम्मिलित या असम्मिलित किया जा सकता है-और किसी अन्य आवश्यक वस्तुओं का क्रय मूल्य भी जोड़ा जा सकता है जो रियायती दरों पर उपलब्ध करायी जा सकती हैं, या

(3) यह सभी अन्य दरों को सम्मिलित करके भी निश्चित की जा सकती है जिसमें प्रारम्भिक मूल्य, जीवित रहने के मूल्यों का भत्ता और किसी भी रियायतों का नकद मूल्य जो किसी आवश्यक वस्तुओं के संदर्भ में दिया जा सकता है, सम्मिलित हो सकती है।

प्र.6 न्यूनतम मजदूरी को निश्चित करने तथा उसको पुनर्निरीक्षण करने के लिए किस प्रकार की प्रक्रिया अपनायी जाती है।

उ. यहां पर प्रक्रिया एक में सरकार समितियों और उपसमितियों की सलाह पर गौर करेगी - और देखेगी कि क्या सभी पक्षों का प्रतिनिधित्व इस सम्बन्ध में हुआ - जो इस प्रस्ताव से प्रभावित है और फिर उस पर विचार करेगी। इस प्रक्रिया के उपरान्त ही न्यूनतम-मजदूरी की दर को निश्चित या परिवर्तित किया जा सकेगा। फिर भी, जब कभी भी सरकार न्यूनतम मजदूरी की दर को द्वितीय रीति से परिवर्द्धित करनेबा प्रस्ताव करती है तो इसे सलाह लेनी पड़ती है।

प्र.7 सलाहकार परिषद् के क्या कार्य हैं?

उ. यह समुचित सरकार के द्वारा गठित की गयी समितियों और उपसमितियों से अवगत कराती है जैसे जीवन-स्तर का मूल्य, मूल्य-सूचिकांक, कार्य की कठिनता, उद्योग-धंधों की वास्तविक आर्थिक

स्थिति इत्यादि जो न्यूनतम मजदूरी को निश्चित करने के लिए तथा उन्हें परिवर्द्धित करने के लिए महत्वपूर्ण तथ्य होते हैं।

प्र.8 किस प्रकार से समितियां और उपसमितियां तथा सलाहकार परिषद् का गठन किया जाता है?

उ. इनमें सरकार द्वारा नियुक्त किसी एक व्यक्ति का प्रतिनिधि, समान संख्या में श्रमिकों व नियोजकों के प्रतिनिधि और कुछ स्वतन्त्र व्यक्तियों को भी सम्मिलित किया जाता है। इस प्रकार से स्वतन्त्र सदस्यों की संख्या समितियों और उपसमितियों की सम्पूर्ण संख्या के एक तिहाई से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इनमें से एक स्वतन्त्र सदस्य को सभापति बनाया जाता है।

प्र.9 केन्द्रीय सलाहकार परिषद् क्या है और इसका संविधान क्या है?

उ. इस अधिनियम की धारा 8 में बताया गया है कि किस प्रकार से एक केन्द्रीय सलाहकार परिषद् गठित की जाती है। यह संकाय केन्द्र व राज्य सरकारों को न्यूनतम वेतन निश्चित करने के मामले में सलाह देती है और सलाहकार परिषद् के कार्यों के मध्य भी समन्वय स्थापित करती है। केन्द्रीय सलाहकार परिषद् में केन्द्र सरकार नामांकित प्रतिनिधि, अनूसूचित कार्य को प्रतिनिधित्व करने वाले श्रमिकों व नियोजकों के प्रतिनिधि और स्वतन्त्र सदस्यों को मिला कर गठित किया जाता है, जिनकी कुल संख्या के एक तिहाई से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इन्हीं स्वतन्त्र सदस्यों में से एक सदस्य को सभापति नियुक्त किया जाता है।

नियोजक की न्यूनतम मजदूरी अदा करने

की क्षमता : असंवद्ध प्रश्न

प्र.10 क्या यह आवश्यक है कि जब न्यूनतम मजदूरी की दर निश्चित की जा रही हो उस समय नियोजक की मजदूरी अदा करने की क्षमता को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए?

उ. जी नहीं।

vkt tks LFkkfir dkuu gS& og dgrk gS fd fu;ksDrk dks
U;wure etnwjh vnk djuh pkfg, ftlds u nus dh fLFkfr esa
mls bl vf/kfu;e ds rgr nf.Mr fd;k tk ldrk gSA

iz.11½ D;k etnwjh dks lkekuks ;k oLrqvksa ds :i esa vnk fd;k tk ldrk gS

m. lkekU; :Ik ls U;wure etnwjh dk Hkqxrku ge'kk udn :Ik;ks esa fd;k tk,xk] ijUrq tgka ij dkbZ iFkk bl izdkj ls izpfyr gS ftlesa udn ds LFkku ij Hkqxrku ;k rks vkf'kd ;k iw.kZ :i ls oLrqvksa o lkekuksa esa fd;k tkrk gS] rc ljdkj viuh ljdkjh ?kks"k.kk i= esa ,d vf/klwpuk tkjh djds bl izdkj dh fjfr & iFkk dks pyrs jgus nus dh fy, vf/kd`r Lohd`fr ns nsrh gS lefpr ljdkj Hkh mfpr ekeyksa esa ljdkjh ?kks"k.kk i= esa vf/klwpuk tkjh djds ;k vf/kd`r dj ldrh gS fd dqN fo'ks"k vko';d oLrq, Jfedksa dks fj;k;rh njksa ij miyC/k djkosaA

U;wure etnwjh esa D;k lfEefyr fd;k tkrk gS

iz.12 etnwjh 'kCn esa fdu&fdu pht+ksa dk lfeJ.k fd;k tkrk gS

m. lkekU;r% etnwjh esa os lHkh osru lfEefyr dj fy;s tkrs gSa tks :i;s ds eY; ds cjkcj lfEefyr gksrs gSa] ftlesa edku ds fdjk;s grq fn;k tkus okyk HkRrk Hkh lfEefyr gksrk gS& ftlds Hkqxrku fd;k tk ldrk gSA ijUrq blesa fuEufyf[kr ckrksa dks lfEefyr ugha fd;k tk,xk%&

¼x½ [knkuksa] rsy ds dqvksa ;k eq[; cnjxkgksa ;k

1. buesa ls fdlh dk Hkh eY;&

d- tks edku esa jguk] fo|qr&vkiwfrZ] ikuh] MkDVjh lgk;rk& vkSj

[k- nwljh vU; dkbZ lqfo/kk, ;k lsok,] fo'ks"k :Ik ls tks ljdkj }kjk ugha nh tkrh gS] lfEefyr ugha fd;s tk ldrs gSA

2. fu;ksftd ds }kjk fn;k x;k dkbZ Hkh vuqnku tks fdlh Hkh i=’ku dk”k vFkok Hkfo”; fuf/k vFkok lkekftd&chek dh fdlh vU; nsl jh ;kstukvksa esa fn;k tkrk gSA

3. dkbZ Hkh ;k=k HkRrk ;kfu Vh-,- vFkok fdlh Hkh ;k=k lEcU/kh fj;kr dk ewY;A

4. dkbZ Hkh /kujkf’k tks Jfed dks fo’k”k [kpksa dks iwjk djus ds fy, nh tkrh gS tks mlds dk;Z dh izd`fr o’k mRiUu gksrs gSA

5. lsok eqDr gksus ij nh x;h dkbZ Hkh vuqnku&jkf’k ;kfu xzsP;qfVA

dk;Z ds ?k.Vs dk fu/kkZj.k

i`.13 fdlh lkekU; dk;Z ds fnu] dke djus ds ?k.Vs dk fu/kkZj.k djus ds lEcU/k esa ljdkj dh D;k ‘kfDr;ka gS\

m. ljdkjsa] pkgs os dsUnz Lrj dh gks ;k jkT; dh ljdkjsa] os dk;Z djus ds ?k.Vs dks fuf’pr dj ldrh gSa& tks ,d lkekU; dk;Z fnu dks cuk;sxh& ijUrq bl izdkj dk lkekU; dk;Z fnu ,d ;k nks foJke ;k e/;kUrj dk vodk’k vo’; j[ks] ;g /;ku esa j[kuk pkfg,A

iR;sd lkr fnuksa esa ls ,d foJke dk fnu ljdkj fuf’pr djsxh& vkSj bl izdkj dk foJke fnu Hkh ,d fnu ,d iwjk dk;Z&fnu ekudj rc lfEefyr dj fy;k tkrk gS tc Hkqxrku djus ds le; bl dk;Z fnuksa dk fxuk tkrk gSA

tc dHkh Hkh dksbZ deZpkjh vkjke ds fnuksa esa dke djrk gS rks mls vfrfjDr le; ds fd;s x;s dke dk tks Hkqxrku feyrk gS & mles de nj ij dksbZ Hkqxrku ugha djuk pkfg,A

vfrfjDr dk;l (vkoj Vkble)

i.14 vkoj Vkble ls lEcfU/kr D;k iko/kku gSa

m. dkbl Hkh Jfed tks lkekU; dk;l ds ?kUVks ds vfrfjDr Hkh dk;l djrk gS] mls viu s iR;sd ?kUVs vf/kd dke djus dk Hkqxrku ,d vyx ie dkj ls fo'ks"k nj ls fn;k tk;sxk] ftls **vkoj Vkble** nj ds uke ls tkuk tkrk gS& vkj ftls lef;pr ljdkj fuf'pr djrh gSA

i.15 ml Jfed ds fo"k; es D;k fd;k tk ldrk gS tks fd lkekU; dk;lfnu dh rqyuk es de dk;l djrk gS

m. ml Jfed dks mu fnuks dk Hkh ifjJfed fn;k tk,xk&tc og de ?kUVs dk dk;l djrk gS] tc fd lkekU; dk;l fnu dh rqyuk es mUgs T;knk dke djuk pkfg,& blds fuEufyf[kr viokn Hkh gSa&

d- tc dkbl Hkh Jfed fufnZ"V dke ds ?kUVks dh rqyuk es de dk;l djrk gS& D;ksfd dk;l ds ifr mldh vfu{kk gksrh gS& ;|fi fu;ksDrk ds }kjk mls dk;l djus dk vkns'k fn;k tkrk gS]

[k- nsljs vU; leLr ekeyks es] tks fd fo'ks"k :i ls fufnZ"V gS] ;k rks lef;pr ljdkjks }kjk ;k fd bl vf/kfu;e ds iko/kkuks dks /;ku es j[krs gq, cuk;h x;h lwfpk&

Tkgk dgh Hkh U;wure etnwjh fd;s x;s dk;l ds vuqlkj Hkqxrku dh tkrh gS] ogk bl cvkr dk /;ku j[kuk pkfg, fd mls U;wure le; nj ls de ugh gksuh pkfg, tks fd lef;pr ljdkj }kjk cuk;k x;k gS A

^^Ykkxr djus dk mís'k;**

i`.16 vf/kfu;e dk rgr ,slk dkSu lk mís'; crk;k x;k gS ftuds vk/kkj ij vf/kfu;e dk mica/kksa dk ikyu djk;k tkrk gS\

m. vf/kfu;e ;g Li"V djrk gS fd fdlh Hkh vuqlwfpr dk;Z dk iR;sd fu;ksDrd mfpr fjdkWM vkSj jftLVj cuk;sa ftlesa Jfedksa dk fooj.k ekStwn gks] mudk }kjk dk;kZUor fd;k x;k, dk;Z gks] ftruh etnwjh mu dks Hkqxrku esa nh x;h gks mldk fooj.k vkSj mudks tks jlhn iznku dh tkrh gks mldk fooj.k ekStwn gksA bl izdkj dk ftrus Hkh jftLVj vkSj fjdkWM gksrs gS tkap&iM+rky dk fy, [kqys gksus pkfg,A ftudk fujh{k.k Jfed vkSj lekfpor ljdkjksa dk }kjk fu;qDr bLiSDVj ¼fujh{kd½ dj ldsA

bl izdkj dk fujh{kd fdlh Hkh dk;Z LFky esa izos'k dj ldrs gS vkSj fdlh Hkh vkfpR;iw.kZ ;k egRoiw.kZ fjdkWM vFkok jftLVj dh tkap dj ldrs gS ;k fQj mUgsa tCr dj ldrs gS vkSj mls vuqlwfpr dk;Z ds lEca/k esa fdlh Hkh O;fDr ls iz'ukfn Hkh iwN ldrs gSA ;g vf/kfu;e dk fdlh Hkh izko/kku dk mYya?ku gksus dh lquokbZ dh O;oLFkk dj ldrh gSA ;g vkxs iqukZYVh vkSj nwM dk izko/kku dk fo"k; esa Hkh crkrh gS tks vf/kfu;e dk mica/kksa dk u ekuus tkus dh n'kk esa fn;k tk ldrk gSA

nkok ;kfpdkvksa ij fu.kZ; djuk

i`.17 Jfedksa dk }kjk cuk;s x;s bl izdkj dk nkoksa ij dSls fu.kZ; fn;k tkrk gS\

m. iHkkfor Jfed ;k rks Lo;a O;fDrxr :Ik ls viuh vyx ls n[kkLr ns ldrk gS ;k lkewfgd :Ik ls vFkok lekfpr ljdkj }kjk fu;qDr vf/kdkjh dk le{k viuk izfrfuf/kRo dj ldrk gS& tks bl izdkj dk nkoksa dks lquxkA bl izdkj dk nkos fuEufyf[kr n'kkvksa esa mRiUu gks ldrs gS&

d- fu;kstd ds }kjk fuf'pr U;wure osru ls de jkf'k dk Hkqxrku fd;k tkuk] vFkok

[k- lkekU; dk;Z vof/k dks r; djrs le;] dkbZ vkoj Vkbe dk;Z dh nj vFkok foJke ds fnuks ls lEcfU/kr Hkqxrku dk i;'u fufgr gks ldrk gSA

bl izdkj ds vkosnu lefpr ljdkj }kjk fu;qDr vf/kdkjh ds le{k] ftl fnu ls Hkqxrku jkf'k dk nkok cuk dh jg tkrk g& mlls N% egheuks ds vUnj fd;k tkuk pkfg,A fQj Hkh] ;fn bl vof/k ds vfrfjDr Hkh dksbZ vU; foYkEc gksrk gS rks] lefpr fu;qDr vf/kdkjh mldk mfpr dkj.k jgus ij {kek ;k de dj ldrk gSA vkosnu ij Qsly nkuks i{kks dks lquus ds i'pkr gh fd; tk ldrk g& vkSj ;fn vko';d gqvk rks bl ij vkxs Hkh tkp iMrky dh tk ldrh gSA ;gks vf/kdkjh ;g funsZ'k ns ldrs gS fd emvkots dh jkf'k dk Hkqxrku fu;kstd }kjk dh x;h xyrh ls 10 xquk ls T;knk ugha gks ldrk] vFkkZr ;fn fu;kstd fdlh fo'k"k vof/k ds nkSjku 10 :Ik;k U;wure osru ls de nsrk gS rks mls 1000 :I;s vf/kdre jkf'k ds :Ik esa Hkqxrku djus ds fy, funsZf'kr fd;k tk ldrk gS tks fd ml vof/k dk emvkoyk gh gksxkA vf/kdkjh dk ;g foosdkf/kdkj fdlh Hkh vkfFkZd nUM nsus ds fy, cks/kk ugha mRiUu djxk ftlds fy, xyrh djus okyk fu;kstu bl vf/kfu;e ds rgr mRrjn;h gksrk gSA

lts (Penalty)

i`.18 xyrh djus okys fu;kstd ds fo:) D;k lts crk;h x;h g\

m. U;wure etnwjh dk Hkqxrku u djus ij vFkok dke djus ds ?kaVks ds fu;eks dk mYy?kau djus ds fy, ml fu;kstd dks vf/kdrd**6** eghus dsn dh lts gks ldrh g& vFkok tqekZuk ftldh vf/kdre lhek 500 :Ik;s gS fd;k tk ldrk gS] vFkok ;s nksuks gh lts, fo'k"k ifjfLFkfr;ks es ,d lkFk nh tk ldrh gSA bl rjg dk dksbZ tqekZuk **iwukYVh** ds :Ik es yxk;s tkus ij U;k;ky; viuk fu.kZ; nsrs le; ml jkf'k ds mij xkSj

djxh ftl fu;fDr vf/kdkjh d vkn'k }kjk fu;ktd dk evkotk d :Ik e Hkjuk iM+rk gA

¼n[k i'u 17 dk fn;k x;k mrj½

nlj vU; Ik/kkj.k tk bl vf/kfu;e e crk;s x;s g mudk mYy?ku dju ij vf/kdre 500 :i;s dk tekuk yxk;k tk Idrk g& ble o fo'k"k vijk/k IfEefyr ugh fd;s x;s g ftudk mYy[k ge mij dj pd gA

ii. fdI idkj I U;k;ky; fdIh fu;ktd d fo:) f'kdk;r d ukfVI dk Lohdkj dj dk;l djxk\

m. tgk dgh Hkh fu;ktd U;ure etnjh I de oru nu dk nk"kh gkrk g rc nkok@vkonu] tIk fd Åij igy gh Li"V fd;k tk pdk g] IcI igy cuk;k tkuk pkfg, vkj iHkkfor Jfed U;k;ky; e rHkh tk Idrk g tc fd Jfed d i{k e vi'kr% ;k i.kr% bl ekey dk Qlyk ugh gk Idrk gA U;k;ky; e vihy dju I igy mUg lefpr Ijdkj dh vuefr bl mnn'; d fy, yuh iM+rh gA

tgk dgh fu;ktd IkekU; dk;l d fnuk dk mYy?ku dju dk nk"kh g ¼vFkkr dk;l dju d ?kV½ rc ;k rks Lo;a fujh{kd d }kjk vFkok iHkkfor Jfed d }kjk bl IEc/k e dkbl f'kdk;r Lo;a gh ntl tk Idrh g& tgk Jfed f'kdk;r ntl djrk g& ogk fujh{kd dh vuefr ikIr djuk vko';d gk tkrk gA bl idkj dh fo'k"k f'kdk;r lefpr Ijdkj I vuefr ikIr dju d ,d ekg d vUnj gh djuh pkfg,A tgk rd vf/kfu;e d vU; mic/kk d mYy?ku I IEcf/kr IkekU; f'kdk;r g& mI mYy?ku gku dh frfFk d **6** ekI d vUnj vo'; gh djuk pkfg,A

tc dHkh Hkh fu;Dr vf/kdkjh d le{k bl vf/kfu;e d rgr nkok&ifØ;k py jgh gkrh g rc rd U;k;ky; e ckfd etnjh dh olyh d fy, dkbl nkok&i= ;kfu okn&i= ugh yk;k tk Idrk g

i.20 bl vf/kfu;e dk Bhd <x ls ykxw u gksus dk dkj.k D;k g\

m. bl vf/kfuf;e dk ikyu dk fy,&

1. Lkefpr ljdkj dk iorZu rU= (Enforcement Machinary) dh LFkkiuk djuh pkfg,A

dbZ jkT; ljdkjksa us ;g lwpuk nh gS fd lefpr iorZu rU= dh deh dk dkj.k vf/kfu;e dk ikyu ugha gks ik jgh gSA

2. orZeku fujh{k.k r= dk ikl i;kZIr lk/ku ugha gSA

3. dbZ jkT;ksa us U;wure etnwjh tks fu/kkZfjr dh xbZ gS og cgqr gh de gSA

4. fu;ksDrkvksa us etnwjksa dks U;wure etnwjh ls de nus dk dbZ rjhds <w< fy, gSA jkT; ljdkjksa us Hkh bl vf/kfu;e dk mYya?ku djus okys fu;kstdksa ds f[kykQ dksbZ dk;Zokgh ugha dh gSA

5. tc Hkh dksbZ etnwjh 0;fDrxr :Ik ls ;k etnwjksa ds lewg ds :Ik esa U;wure etnwjh nj dh ikfIr ds fy, f'kdk;r nt djrk gS rks fu;kstd mUgsa rjg&rjg ds gFkdaMs viuk dj /kedkrs gSa rFkk mUgsa >wBs dslksa esa QlkusA dh /kedh nsrs gSA

6. orZeku vFkZ0;oLFkk o cktkjhdj.k dk dkj.k dePkkjh U;wure osru ls Hkh de osru ij dke djus ds fy, rS;kj gks tkrs gSA

7. bl vf/kfu;e ds micU/kksa dk tkudkjh etnwjksa dks cgqr gh de gSA

8. f'kf{kr u gksus ds dkj.k o ukSdjh dh lqj{kk dh otg ls etnwj viuh etnwjh ds ukjs esa lgh tkudkjh ugha nsrsA

9. bl vf/kfu;e dk Bhd izdkj ls ykxw u gksus dk eq[; dkj.k etnwjksa dh detksj lkSnsckth dh 'kfDr gSA

iz.21 bl vf/kfu;e dk ykxw djus esa yscj bUlisDVj vkSj etnwj l?k (Trade Union) dh Hkwfedk D;k gS

m. bl vf/kfu;e dks iwjk ykxw djkus esa ysCkj bUlisDVj dh eq[; Hkwfedk gSA ijUrq ysCkj] bUlisDVj viuh nkf;Roksa dks fuHkkus esa vlQy jgs gSA cgqr lkjs ysCkj bUlisDVj viuk mn~ns’; dks iwjk ugha djrsA

dbZ ykxksa us dkuwu dk bLrseky viuh Qk;ns ds fy, fd;k gSA

lkekftd lqj{kk vf/kdkjksa dh ekax o bl vf/kfu;e dks ykxw djkus dk lcls mfpr ek/;e gSA

lkekftd lqj{kk ds fy, vlaxfBr {ks= dk ,dhdj.k etnwjksa dh drZO; fu”Bk vko’;d gSA

bl vf/kfu;e dks iwjh’kfDr ls ykxw djokus ds fy, ;g vko’;d gS fd etnwj l?kksa ds inkf/kdkfj;ksa dks ‘kkfey fd;k tk, tks u dsoy viuh ;wfuVl esa ysCkj dkuwu dks ykxw djok,xs cfYd mu {ks=ksa ls vlaxfBr {ks= ds etnwjksa dk usrRo djsaxsA tks mudh vkfFkZd ;wfuVl dks utnhd gSA

etnwjksa ds fy, eq[; mik; lkekftd lqj{kk gSA etnwj l?k ds inkf/kdkjh f’kf{kr] izf’kf{kr gksus pkfg, rFkk vlgk; deZpkfj;ksa ds fy, lkekftd dk;Zokgh ds }kjk dkuwu ds ykHkksa dks izkIr djus ds fy, iwjk gksus pkfg,A

etnwj l?kksa dks vkUnksyu dks etcwr cukuk gksxkA mUgsa dkuwuksa esa Lfkkfir viuh vf/kdkjksa ds fy, ncko Mkyuk gksxkA bl le; etnwj l?k iz.kkyh :i esa ljdkjksa ij fuHkZj gSA etnwj l?kksa us viuh Lok;rrk dks [kks fn;k gSA

iz.22 dEifu;ksa ds }kjk vijk/kksa ds djus ij fLFkfr D;k gS

m. tc dksbZ dEiuh bl vf/kfu;e ds fdlh izko/kku dk nks”kh gksrk gS rc og gj iR;sd 0;fDr tks dEiuh ds ekeyksa dk ns[krk gS&lo&lokZ gS tks 0;kikj ns[krk gS] mlls nf.Mr fd;k tk ldrk gSA

i.23 D;k bl vf/kfu;e dk dkbl viokn Hkh g\

m. th gk] lefpr ljdkj bl fn'kk e fo'k"k mic/k cuk ldrh g] ftld rgr fodykx Jfedk dk mUefr inku dh tk ldrh g] vkj nljh vU; J.kh d Jfed tk fo'k"k dkj.ko'k gh lefpr ljdkj }kjk mUefDr;k iklr dj ldr gA

bl vf/kfu;e dk ijk egRo nu d mnn'; l lefpr ljdkjk d }kjk vkj vf/kd iHkkodkjh vkj fo'k"k fu;e cuk; x; g vkj ,lk dkb Hkh dkuu tk fd dUn ljdkj d }kjk cuk;k tkrk g& mldk lIn }kjk ikfjr fd;k tkuk vko';d gA

---000---